श्याम सम्भालेगा | by Vivek Sharma

ज़िन्दगी से हर मुसीबत श्याम टालेगा आज तक जिसने सम्भाला वही सम्भालेगा

हर घडी हर पल जो तेरा ध्यान रखता है जग के आगे हर दफा सम्मान रखता है कैसे तूने सोचा वो तुझको भुला देगा जिन्दगी से हर मुसीबत श्याम टालेगा

जो भी दे लेले खुशी से तर्क ना करना कण मिले या घण मिले तू फर्क ना करना जितनी झोली में ज़रूरत उतना डालेगा ज़िन्दगी से हर मुसीबत श्याम टालेगा

की प्रभु ने हर मुसीबत चुटिकयों में हल श्याम के आगे ना चलता मुश्किलों का बल तेरी कमज़ोरी को ये ताक़त बना देगा ज़िन्दगी से हर मुसीबत श्याम टालेगा

डूब जाए नाव तेरी है नहीं मुमिकन कह दे माधव कुछ नहीं तू सांवरे के बिन बीच मझधारों को ये साहिल बना देगा जिन्दगी से हर मुसीबत श्याम टालेगा

 $\frac{\text{https://bhaktivandana.com/lyrics/\%e0\%a4\%b6\%e0\%a5\%8d\%e0\%a4\%af\%e0\%a4\%be\%e0\%a4\%be\%e0\%a4\%be}{e0\%a4\%ae\%e0\%a5\%8d\%e0\%a4\%ae\%e0\%a4\%be\pi\\ \timbo\text{\t$